Maithili (Hons.) Paper-I

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी मे लिखू। LNMUonline.com

1. निम्नलिखित प्रश्नक उत्तर दिअ : 2

(क) लोचन कविक प्रसिद्ध ग्रन्थ कोन थीक?

(ख) 'कृष्णजन्म' कोन विधाक रचना थीक ?

(ग) 'रागतरंगिणी' कोन कालक रचना थीक?

(घ) 'कृष्णजन्म'क लेखक के छथि?

(ङ) मनबोधक प्रसिद्ध ग्रन्थ कोन थीक?

(च) 'प्राचीन गीतावली'क प्रकाशक के छथि?

(छ) 'गोविन्द झा' कोन पोथीक सम्पादक छथि?

(ज) 'कृष्णजन्म' मे कोन विषयक वर्णन अछि?

(झ) 'गोविन्द भजनावली' कोन विधाक रचना अछि?

(ञ) 'कृष्णजन्म'क रचना कोन काल मे भेल अछि?

निम्नलिखित कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू : LNMUonline.com

(क) मैनबोधक 'कृष्णजन्म'क भाषा वैशिष्ट्य पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखू।

(ख) मैथिली साहित्य मे 'कृष्णजन्म' एकटा अनुपम महाकाव्य अछि। एहि पर अपन विचार प्रस्तुत करू।

(ग) मैथिली साहित्य मे लोचनक योगदान सँ अवगत कराउ।

(घ) 'प्राचीन गीतावली'क विशेषता पर प्रकाश दिअ।

(ङ) 'गोविन्ददास भजनावली'क आधार पर गोविन्ददासक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ।

(च) 'गोविन्ददास विद्यापति कें अपन काव्य गुरु मानैत छथि' एहि उक्ति के प्रमाणित करू।

निम्नलिखित कोनो दू टाक सप्रसंग व्याख्या करू :

(क) 'कय बेरि साँप धरय पुनि जाथि।
कय बेरि चून दही वदि खाथि।।
कौसल चलथि मारिकहुँ चाल।
जसोमति काँ भेल जिबक जंजाल।।'

(ख) 'हृदय मन्दिर मोर कान्ह समाओल प्रेम प्रहरि रहु जागि।
गुरु-जन-गौरव चोर सरिस भेल दूरहि दूर रहु भागि।।'

(ग) 'तरूक सबद सुनि दौड़ल नन्द
तेजि देल गाय पड़ौ बरु बन्द।
की तरु खसल वसात न झाँट
आज होइत मोर बारह बाट।।'

(घ) 'चेतन न रहए चुम्बन बेलि'।
के जान केहन रभस-रस केलि।।
जे धानि मानि सुरति अधिदेवि।
तनिकर चरन-कमल मोर सेवि।।'

LNMUonline.com